ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

संदर्भ: *हाल ही में एनएसए अजीत डोभाल सेंट पीटर्सबर्ग में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे, जहां वे रूसी और संभवतः चीनी समकक्षों से मुलाकात करेंगे।*

➢ **अवलोकन:**

- एनएसए अजीत डोभाल सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स और ब्रिक्स प्लस सुरक्षा बैठक में भाग लेंगे, जहां उनकी रूसी एनएसए सर्गेई शोइगू और संभवतः चीन के वांग यी के साथ बैठक होगी।
- जुलाई में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वांग यी से दो बार मुलाकात की, पहली एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान अस्ताना में और दुसरी आसियान-भारत की वियतनाम बैठक में। ताकि एलएसी का शीघ्र समाधान निकाला जा सके और संबंधों को फिर से स्थापित किया जा सके।

ब्रिक्स (BRICS): ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका देशों से मिलकर बना है।

- 2001 में गोल्डमैन सैक्स के जिम ओ'नील (Jim O'Neill) द्वारा इसका विचार दिया गया, आरम्भ में इसमें दक्षिण अफ्रीका को छोड़कर केवल BRIC शामिल था।
- **वर्तमान प्रतिनिधित्व:** यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 37.3% और विश्व की लगभग 40% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।
- **अध्यक्षता:** सदस्य देशों के बीच प्रतिवर्ष बदलती रहती है।
- **सिद्धांत:** खुलापन, व्यावहारिकता, एकजुटता, गैर-समूह प्रकृति, तटस्थता।

➢ **ब्रिक्स का एजेंडा**

- **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद:**
  - वैश्विक आतंकवाद-रोधी प्रयासों और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केन्द्रित करना।
- **जलवायु परिवर्तन:**
  - जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संयुक्त कार्रवाई और रणनीतियाँ बनाना।
- **खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा:**
  - वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा स्थिरता और न्यायसंगत पहुंच सुनिश्चित करना।
- **अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति:**
  - वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय चुनौतियों के प्रति समन्वित प्रतिक्रियाएँ बनाना।
- **ब्रेटन वुड्स संस्थानों में सुधार:**
  - उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए आईएमएफ और विश्व बैंक में बदलाव की वकालत करना।
- **व्यापार संरक्षणवाद और विश्व व्यापार संगठन:**
  - मुक्त व्यापार को बढ़ावा देना और संरक्षणवादी नीतियों का विरोध करना।

➢ **ब्रिक्स का विकास**

- **2006:** जी-8 आउटरीच शिखर सम्मेलन के दौरान अनौपचारिक ब्रिक गठन।
- **2009:** पहला ब्रिक शिखर सम्मेलन रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित हुआ।
- **2010:** दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ, जिससे ब्रिक्स का गठन हुआ।
- **2011:** चीन में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका की पहली भागीदारी।
- **2014:** फोर्टालेजा घोषणा द्वारा न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना।
- **2015:** वैश्विक शासन और आर्थिक सहयोग पर उफा घोषणा।
- **2021:** भारत की अध्यक्षता में 13वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन।
- **2022:** रूस-यूक्रेन वार्ता, कोविड-19 सहयोग और डिजिटल परिवर्तन के समर्थन पर बीजिंग घोषणा।
- **2023:** जोहान्सबर्ग में 15वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, अफ्रीका पर केंद्रित, जी20 प्रेसीडेंसी का समर्थन, संयुक्त राष्ट्र सुधार का समर्थन, तथा मानवाधिकार और खाद्य सुरक्षा पर प्रकाश डाला जाएगा।
- **2024** : रूस में 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, "वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना" विषय के अंतर्गत, न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा का लक्ष्य रखता है।

➢ **पहल:**

- **ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक:** इसमें आतंकवाद-निरोध, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की जाती है।
- **आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था (सीआरए):** तरलता समर्थन के लिए 100 बिलियन डॉलर की क्षमता वाला वित्तीय तंत्र स्थापित किया गया।
- **न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी):** बुनियादी ढांचे और टिकाऊ परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण प्रदान करता है; इसका मुख्यालय शंघाई में है।
- **कार्यक्रम:** ब्रिक्स संसदीय मंच, फिल्म महोत्सव, युवा शिखर सम्मेलन, शैक्षणिक मंच।

➢ **ब्रिक्स में भारत की भूमिका**

- **सामरिक सहयोग:**यह सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार पर वैश्विक सहभागिता के लिए मंच प्रदान करता है।
- **आर्थिक लाभ:** बड़े बाजारों तक पहुंच और एन.डी.बी. से वित्तपोषण प्राप्त होना।
- **बहुपक्षीय सुधार:** अधिक समावेशी वैश्विक व्यवस्था की वकालत को बल मिलना।
- **दक्षिण-दक्षिण सहयोग:**यह व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देता है।
- **नई विश्व व्यवस्था:** वैश्विक शासन में भारत की भूमिका का समर्थन करता है।

➢ **ब्रिक्स के समक्ष चुनौतियाँ**

- **आईबीएसए के साथ दोहराव:** भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका समूह के साथ प्रयासों का संभावित दोहराव होना।
- **आर्थिक एवं व्यापारिक विवाद:** आंतरिक संघर्ष एवं आर्थिक मंदी का होना।
- **भू-राजनीतिक तनाव:** विविध हित और क्षेत्रीय विवाद (जैसे, चीन-भारत तनाव) का होना।
- **प्रमुख शक्तियों का प्रभुत्व:** रूस, भारत और चीन का प्रभाव ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका पर हावी हो सकता है।
- **मुद्रा और डॉलर विमुद्रीकरण:** प्रस्तावित साझा मुद्रा के सामने चुनौतियां हैं, डॉलर विमुद्रीकरण को व्यापक वैश्विक स्वीकृति की आवश्यकता है।

➢ **ब्रिक्स का विस्तार**

- **प्रथम चरण:** जनवरी 2024 से अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई इसमें शामिल होंगे।
- **विस्तार के कारण:** वैश्विक प्रभाव में वृद्धि, पश्चिम विरोधी भावना को बढ़ावा देना तथा नए अवसर प्रदान करना।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

सार्वभौमिक बुनियादी आय (यूबीआई)

संदर्भ: *हाल की बेरोजगारी वृद्धि ने देशों को अपर्याप्त रोजगार सृजन की समस्या से निपटने के लिए सार्वभौमिक बुनियादी आय (यूबीआई) पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है।*

➤ **अवलोकन:**

- यूबीआई के विचार ने विशेष रूप से तब गति पकड़ी है, जब आईएलओ की रिपोर्ट में नौकरियों में कमी और असमानता को स्वचालन और एआई से जोड़ा गया है।
- भारत की मौजूदा नकद हस्तांतरण योजनाएं, शुद्ध सार्वभौमिक बुनियादी आय मॉडल को लागू करने में चुनौतियों का संकेत देती हैं।

यूनिवर्सल बेसिक इनकम (UBI) एक सामाजिक कल्याण प्रस्ताव है, जिसके तहत सभी नागरिकों को सरकार से नियमित, बिना शर्त भुगतान मिलता है। यह आय बुनियादी जीवन व्यय को कवर करने, गरीबी को कम करने और संभवतः अधिक जटिल कल्याण कार्यक्रमों की जगह लेने के लिए डिज़ाइन की गई है।

➤ **यूबीआई के लाभ:**

- **गरीबी उन्मूलन:** गरीबी और आय असमानता को कम करता है, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और आवास जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करता है।
- **स्वास्थ्य लाभ:** तनाव कम होता है और मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है; स्वास्थ्य देखभाल और पोषण तक पहुंच बढ़ती है।
- **सरलीकृत कल्याण प्रणाली:** कई कार्यक्रमों को प्रतिस्थापित करके कल्याण को सुव्यवस्थित करती है, नौकरशाही और लागत को कम करती है।
- **बढ़ी हुई स्वतंत्रता:** वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे काम, शिक्षा या संतुष्टिप्रद गतिविधियों को चुनने की स्वतंत्रता मिलती है।
- **आर्थिक प्रोत्साहन:** उपभोक्ता खर्च को बढ़ाता है, व्यवसायों का समर्थन करता है, और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करता है।

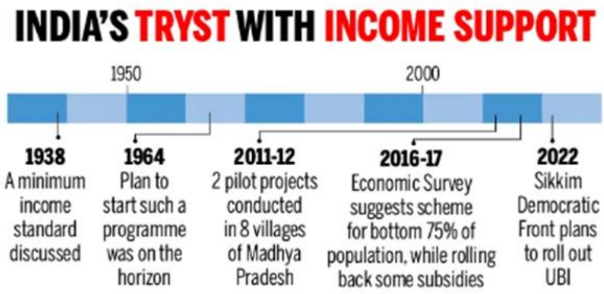

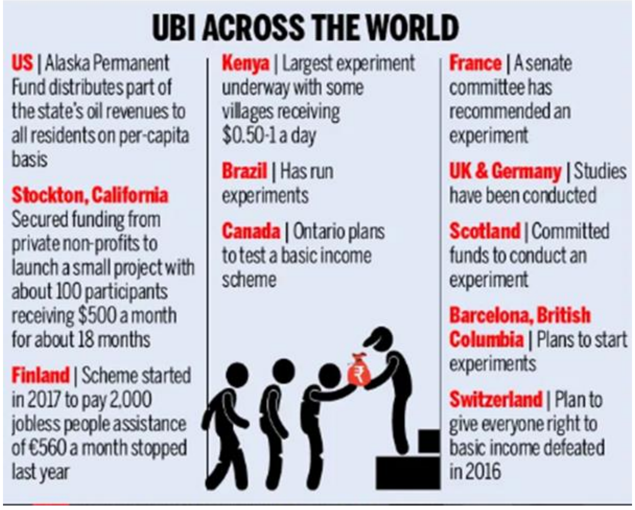

➤ **यूबीआई के समक्ष चुनौतियाँ:**

- **लागत और राजकोषीय स्थिरता:** उच्च लागत के कारण कर वृद्धि, व्यय में कटौती या ऋण की आवश्यकता हो सकती है, जिससे संभावित रूप से मुद्रास्फीति या श्रम बाजार में विकृतियां उत्पन्न हो सकती हैं।
- **प्रोत्साहन संबंधी मुद्दे:** कार्य प्रेरणा को कम कर सकते हैं, उत्पादकता को कम कर सकते हैं तथा निर्भरता को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे कौशल विकास पर असर पड़ सकता है।
- **मुद्रास्फीति संबंधी दबाव:** नकदी प्रवाह में वृद्धि से कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे भुगतान का वास्तविक मूल्य कम हो सकता है।
- **निर्भरता की संभावना:** सरकारी सहायता पर निर्भरता पैदा होने का जोखिम है, जिससे रोजगार प्रोत्साहन में कमी आ सकती है।

➤ **यूबीआई के विकल्प:**

- **अर्ध-यूबीआई (क्यूयूबीआरआई):** लक्षित ग्रामीण सहायता जैसे धनी व्यक्तियों के लिए बहिष्करण के साथ सार्वभौमिक नकद हस्तांतरण करना।
- **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी):** नकदी या सब्सिडी सीधे खातों में स्थानांतरित की जाती है, जिससे अकुशलता और भ्रष्टाचार कम होता है (उदाहरण, पीएम किसान)।
- **सशर्त नकद हस्तांतरण (सीसीटी):** स्कूल में उपस्थिति या टीकाकरण जैसी शर्तों के आधार पर नकद, सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करना।
- **अन्य आय सहायता योजनाएँ:** कमजोर समूहों (जैसे, बुजुर्ग, विकलांग) के लिए विशिष्ट सहायता करना।
- **रोजगार गारंटी योजनाएं:** यह कानूनी नौकरी की गारंटी, जैसे कि मनरेगा, रोजगार के अवसर सुनिश्चित करती है।
- **सार्वभौमिक बुनियादी सेवाएँ:** प्रत्यक्ष आय के बजाय आवश्यक सेवाएँ (स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा) प्रदान करना, जिसका उद्देश्य असमानता को कम करना और जीवन स्तर में सुधार करना है।

नागरिक विमानन पर दूसरा एशिया- प्रशांत (एपीएसी) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

संदर्भ: *हाल ही में नागरिक विमानन पर एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र की बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं पर ध्यान दिया गया।*

➤ **अवलोकन:**

- नागरिक विमानन पर आईसीएओ एशिया-प्रशांत (एपीएसी) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन है।
- नागरिक विमानन पर एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन बढ़ती यात्रा मांगों को पूरा करने के लिए हवाई अड्डे के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है तथा अवसरों का पता लगाने और साझेदारी बनाने के लिए वैश्विक नेताओं को एकजुट करता है।
- आईसीएओ और शिकागो कन्वेंशन के 80 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

नागरिक विमानन पर दूसरा एशिया-प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

- एशिया- प्रशांत क्षेत्र का पहला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 2018 में बीजिंग, चीन में आयोजित किया गया था।
- **आयोजक:** दूसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन भारत सरकार और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) एशिया प्रशांत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।
- **भागीदारी:** सम्मेलन में 41 देशों से लगभग 250 प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है, जो वैश्विक हवाई यातायात में एशिया प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करेगा।
- **सम्मेलन का लक्ष्य:** इसका प्राथमिक उद्देश्य एशिया प्रशांत क्षेत्र में नागरिक विमानन क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करना है।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (आईसीएओ) के बारे में

- **मुख्यालय:** मॉन्ट्रियल, कनाडा
- **गठन और उद्देश्य:** शिकागो कन्वेंशन के रूप में जाना जाने वाला आईसीएओ 7 दिसंबर, 1944 को 52 राज्यों द्वारा स्थापित किया गया था और 1947 में यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी बन गया।
- **सदस्यता:** 2024 तक, ICAO के 193 सदस्य देश हैं। भारत इसका संस्थापक सदस्य है, जो 1944 में इसमें शामिल हुआ था।
- **रणनीतिक उद्देश्य:**
- **सुरक्षा:** विश्व भर में विमानन सुरक्षा को बढ़ाना।
- **वायु नौवहन क्षमता और दक्षता:** वायु यातायात प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में सुधार करना।
- **सुरक्षा और सुविधा:** सुरक्षित और कुशल हवाई यात्रा सुनिश्चित करना।
- **वायु परिवहन का आर्थिक विकास:** विमानन क्षेत्र के विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना।
- **पर्यावरण संरक्षण:** विमानन के पर्यावरणीय प्रभाव पर ध्यान देना।

चर्चा के विषय

- **क्षेत्रीय और वैश्विक समन्वय:** क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के विमानन मामलों को सरेखित करने पर ध्यान केंद्रित करना।
- **सहयोग:** क्षेत्रीय विमानन विकास के लिए एक साझा मंच पर सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना।
- **सामंजस्य:** क्षेत्र के भीतर सुसंगत और समन्वित विकास को बढ़ावा देना।
- **महामारी के बाद की स्थिति में सुधार:** महामारी के बाद एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए एक सुरक्षित, लचीली और गतिशील हवाई परिवहन प्रणाली बनाने की दिशा में काम करना।

भारत में विमानन विकास

- **विमानों की संख्या में वृद्धि:** भारत का विमानन बाजार विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ रहा है, जहां विमानों की संख्या 400 से दोगुनी होकर 800 से अधिक हो गई है। पिछले वर्ष 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया गया था।
- **हवाई अड्डों का विस्तार:** भारत में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हो गई, जिससे क्षेत्रीय संपर्क बढ़ा और अधिक यात्रियों को सुविधा मिली है।
- **सरकारी पहल:** उड़ान योजना दूरदराज के क्षेत्रों के लिए हवाई यात्रा की पहुंच में सुधार करती है, उन्हें राष्ट्रीय नेटवर्क में एकीकृत करती है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

लद्दाख ज़ांस्कर महोत्सव

लद्दाख ज़ांस्कर महोत्सव का 9वां संस्करण 13-14 सितंबर, 2024 को ज़ांस्कर घाटी, लद्दाख के सानी गांव में आयोजित किया जाएगा।

लद्दाख ज़ांस्कर महोत्सव के बारे में:

- लद्दाख ज़ांस्कर महोत्सव ज़ांस्कर की संस्कृति, परंपरा और एकता का एक वार्षिक दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव है।
- इस महोत्सव का उद्देश्य ज़ांस्कर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है, साथ ही इसकी अनूठी आध्यात्मिक और कलात्मक विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करना है।
- स्थानीय समुदायों द्वारा विस्तृत वेशभूषा में भिक्षुओं द्वारा किया जाने वाला चाम नृत्य और लोक नृत्य मुख्य आकर्षण हैं।
- यह नृत्य त्सेचु महोत्सव पर भी किया जाता है, जो लद्दाख के कई मठों में आयोजित होने वाला वार्षिक आध्यात्मिक उत्सव है।
- आगंतुकों को पारंपरिक ज़ांस्करी व्यंजन, जिसमें थुकपा (नूडल सूप) और बटर टी शामिल हैं, परोसे जाते हैं।

वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-सरफेस एयर मिसाइल

हाल ही में, ओडिशा के बालासोर जिले के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल के बारे में:

- वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) एक जहाज से चलने वाली, शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल है।
- इस परीक्षण का उद्देश्य प्रॉक्सिमिटी फ़्यूज़ और सीकर सहित हथियार प्रणाली के कई अपडेट किए गए उपकरणों का परीक्षण करना था।
- इसे भारतीय नौसेना के सहयोग से रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।
- मिसाइल को कम दूरी पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें दुश्मन के विमान और सी-स्किमिंग मिसाइलें शामिल हैं, जो कम ऊंचाई वाली, रडार से बचने वाली ख़तरनाक ख़तरे हैं जिनका अक्सर जहाज़-विरोधी युद्ध में उपयोग किया जाता है।

नीति आयोग

हाल ही में, नीति आयोग ने "भविष्य की महामारी की तैयारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया: कार्रवाई के लिए रूपरेखा" रिपोर्ट जारी की, जिसमें भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और भविष्य की आपात स्थितियों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक खाका तैयार किया गया है।

नीति आयोग के बारे में:

- नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) एक नीति थिंक टैंक और सरकारी संगठन है जो भारत सरकार को नीतियों और कार्यक्रमों पर सलाह देता है।
- इसकी स्थापना 2015 में योजना आयोग की जगह लेने के लिए की गई थी।
- यह प्रभावी शासन के 7 स्तंभों- जन-हितैषी, सक्रियता, भागीदारी, सशक्तीकरण, सभी का समावेश, समानता और पारदर्शिता पर आधारित है।
- नीति आयोग की संरचना में अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त उपाध्यक्ष, सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों वाली एक शासी परिषद शामिल है।
- नीति आयोग ने विभिन्न पहल और अभियान शुरू किए हैं, जैसे: अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन इंडिया (अमृत, स्मार्ट सिटीज मिशन), सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) स्थानीयकरण, आदि।

समाचार में स्थान

गाजा पट्टी

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने बताया कि गाजा युद्ध में लगी एक चौथाई चोटें "जीवन बदल देने वाली" हैं, जिनमें 22,500 लोगों को दीर्घकालिक पुनर्वास की आवश्यकता है।

स्थान: गाजा पट्टी भूमध्य सागर के पूर्वी तट पर स्थित है।

राजनीतिक सीमाएँ: गाजा पट्टी उत्तर और पूर्व में इज़राइल और दक्षिण में मिस्र से लगती है।

भौतिक विशेषताएँ:

- गाजा पट्टी का सबसे ऊँचा स्थान माउंट अल-मुंतार है, जिसे माउंट गेरिज़िम के नाम से भी जाना जाता है।
- गाजा पट्टी में भूमध्यसागरीय जलवायु है, जिसमें गर्म, शुष्क ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियाँ होती हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- 1948 में इज़राइल द्वारा अपना राज्य घोषित करने के बाद, गाजा पट्टी पर लगभग दो दशकों तक मिस्र का नियंत्रण रहा।
- 1967 में, छह दिवसीय युद्ध के दौरान इज़राइल ने गाजा पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया।
- 2005 में, इज़राइल ने गाजा पट्टी से लगभग 9,000 इज़राइली निवासियों और अपने सैन्य बलों को वापस बुला लिया, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण के अधीन हो गया।

वर्तमान शासन:

- गाजा पट्टी पर वर्तमान में हमास का शासन है, जो एक फ़िलिस्तीनी इस्लामवादी संगठन है जिसने 2007 में चुनाव जीतने के बाद नियंत्रण हासिल कर लिया था।
- हमास इज़राइल के अस्तित्व के अधिकार को मान्यता नहीं देता है।

नाकाबंदी: इज़राइल ने 2007 से गाजा पर भूमि, वायु और समुद्री नाकाबंदी लगा रखी है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

POINTS TO PONDER

- ई-कॉमर्स को समावेशी बनाने के लिए हाल ही में ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) ने भाषिनी के सहयोग से कौन सा संदर्भ ऐप लॉन्च किया? – **सारथी**
- किस मंत्रालय ने हाल ही में भारत को अपने महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया? – **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय**
- हाल ही में केंद्र सरकार ने मुंबई में 256 एकड़ साल्ट पैन भूमि के हस्तांतरण के लिए किस परियोजना को मंजूरी दी है? – **धारावी पुनर्विकास परियोजना**
- हाल ही में भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल से किस योजना को मंजूरी मिली है और यह भारी उद्योग मंत्रालय से जुड़ी है? – **पीएम ई-ड्राइव योजना**
- पीएमएमएसवाई की चौथी वर्षगांठ के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के तहत कौन सा पोर्टल लॉन्च किया गया? – **राष्ट्रीय मत्स्य विकास कार्यक्रम पोर्टल**